Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment	Entertainment & Event
Property	Hobbies & Interests
Business Opportunity	Services
Vehicles	Jewellery & Watches
Announcements	Music
Antiques & Collectables	Obituary
Barter	Pets & Animals
Books	Retail
Computers	Sales & Bargains
Domain Names	Health & Sports
Education	Travel
Miscellaneous	

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

पहाड़ में प्रकृति हर साल ले रही है परीक्षा

प्रकृति के कहर के आगे बेबस नजर आ रही जिंदगी

कहर

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ़। सीमांत जनपदों की तहसीलों में विगत पचास सालों से क्षेत्र के लोग आपदा का दर्द नही भूल पाये है। सीमांत क्षेत्र में प्रकृति का कहर लोगों की हर साल परीक्षा ले रहा है। क्षेत्र में प्रकृति के कहर के आगे सैकड़ों जिंदगी बेबस नजर आती दिख रही है। सीमांत में कोई भी ऐसा साल न रहा जब प्रकृति ने कहर बरपाने के साथ लोगों को आपदा का ह्रदयविदारक मंजर न दिखाया हो।

बता दें कि सीमांत में आपदाओं का ग्रफ इतना बढ़ता चला है कि मानों सीमांत में हजारों जिंदगी सिमट सी गई है। जानकारी के मुताबिक 1971 से लेकर 2020 के भीतर तो प्राकृतिक कहर के आंकडे सामने आये हैं वे काफी पीड़ादायक है। 1971 में सीमांत तहसील धारचूला के चीन सीमा को जोड़ने वाले मार्ग पर नेपाल सीमा से लगे काली और धोली गंगा नदी के संगम स्थल पर

बादल फटा। इस बरसाती नाले ने ग्लेशियरों से निकलने वाली काली और गोरी नदी के प्रवाह को रोक दिया। तवाघाट में बाढ़ का कहर बरपने लगा। घटना में स्पेशल फोर्स के सोलह जवान बह गये। उनकी आज तक कोई भी जानकारी नही मिल पाई है। धारचूला के दर से लेकर गर्ब्यांग तक इस भीषण आपदा ने जमकर कहर बरपाया। साल 1980 की बात की जाए तो जौलजीवी के निकट गर्जिया नामक स्थान पर भारी बारिश में कई साधु व संवासिनियों के आपदा के शिकार होने के समाचार मिले। साल 1995 में मुंसयारी तहसील के गोरी नदी घाटी और मंदाकिनी नदी घाटी के भीषण अतिवृष्टि ने तबाही मचाई थी। साल 1998 में कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग का सुरक्षित पैदल पडाव में भीषण आपदा आई जिसमें साठ कैलाश मानसरोवर यात्रियों सहित करीबन 207 लोग इस आपदा का शिकार बने। साल 2000 में तहसील डीडीहाट के हुडकी और दडम्या गांव में बादल फंटनें से छह लोगों की मौत हो गई थी। साल 2007 में गोरीछाल के बरम के मल्ला सैन गांव में बादल फटनें से सात लोग जिंदा दफन हो गये थे। 2009 में सीमांत तहसील क्षेत्र मुंसयारी के तल्ला जौहार के ला झेकला में बादल फटने से 43 लोगों की मौत हो गई थी। वही ला झेकला गांव नक्शे में गायब हो गया था। 2013 में सीमांत के काली गोरी मंदाकिनी और धोली नदी ने जमकरर कहर बरपाया । 2016 मे डीडीहाट के सिंगाली क्षेत्र के बस्तडी में भीषण बादल फटनें से 22 लोगो की मौके पर मौत हो गई थी। 2017 में धारचूला के घटियाबगड नामक स्थान पर बादल फटनें से भारी तबाही मची। वही इस हादसे में स्थानीय सेना का वाहन बह गया था। 2018 में सीमांत तहील क्षेत्र मुंसयारी व धारचूला में अलग अलग स्थानों पर बादल फटनें के कारण के तबाही का मंजर बनता रहा। वही इस साल 2020 में तहसील बंगापानी के टांगा व गैला गांव में बादल फटनें से मकान मलबे में दब गये।

न्यूज डायरी

डीडीहाट के विधायक ने किया आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा

संवाददाता पिथौरागढ़। तहसील बंगापानी के टांगा व गैला गांव में हुई भीषण आपदा और आपदा में मारे गये लोगों की खोजबीन जारी है। राहत व बचाव का कार्य अब भी जारी है। डीडीहाट क्षेत्र के विधायक बिशन सिह चुफाल व पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिह बोरा ने बीते मंगलवार सांय आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर इलाके के ग्रमीणों से उनकी कुशल क्षेम व दर्द जाना। उन्होंने क्षेत्र के आपदा प्रभावितों को हर संभव मदद दिलाये जाने व पीड़ितों को आपदा राशि मुआवजा दिलाये जाने का भरोसा दिया।

निजी क्लीनिक की नर्स निकली कोरोना पाजिटिव

संवाददाता पिथौरागढ़। जिले में अब कोरोना पाजिटिव केस के मामले बढ़ते जा रहे है। बीते मंगलवार को जिले के निजी क्लीनिक संचालक बसेडा नर्सिग होम बिण रोड के पास क्लीनिक में कार्यरत नर्स नीलम बोरा की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आई है। नर्स की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आने के बाद क्लीनिक को सील कर दिया है। क्लीनिक में अफरा तफरी का माहौल है। जिले में भी लोगों को कोरोना का खतरा सता रहा है।

पत्रकार विक्रम जोशी के हत्यारों की हो गिरफ्तारीः विश्वजीत नेगी

देहरादून। गाजियाबाद के पत्रकार विक्रम जोशी की निर्मम हत्या की स्टेट प्रेस क्लब उत्तराखंड निंदा करता है। उन्होंने स्वर्गीय विक्रम जोशी के हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार किये जाने की मांग की है। अध्यक्ष विश्वजीत नेगी ने कहा कि पुलिसकर्मियों की हत्या करने वाले को जिस तरीके से उत्तर प्रदेश पुलिस ने ढूंढ कर उसके अंजाम तक पहुंचाया।

भारत में पहली बार अनूठा कीटनाशक लॉन्च करेगी बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड

संवाददाता देहरादून। एग्रोकेमिकल्स (खेती के रसायन) सेक्टर में विश्व मे अग्रणी नाम और बीएसई में सूचीबद्ध कम्पनी 'बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड' ने अपने उत्पादों के जरिये दुनियाभर में कृषि के लिए कई समाधान दिए हैं। कृषि संबंधी रसायनों के क्षेत्रों में भारत के बड़े मैन्युफैक्चरर्स में से एक बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड, भारत की पहली ऐसी कंपनी है जिसे एक विशेष कीटनाशक के लिए लाइसेंस रजिस्ट्रेशन प्रदान किया गया है। यह लाइसेंस रजिस्ट्रेशन डाईरॉन नामक एक सुपर सिस्टमेटिक कीटनाशक की मेन्युफेक्चरिंग के लिए प्रदान किया गया है। यह विशेष कीटनाषक तुरन्त अवशोषित होकर बड़ी संख्या में विभिन्न प्रकार के कीटनाशकों का नाश करता है।

दून में लगातार बढ़ रहा कोरोना का ग्राफ

संवाददाता देहरादून। दून में लगातार बढ रहा कोरोना का ग्राफ। बुधवार दोपहर तक सात और केस पॉजिटिव आए। इनमें एक आइटीबीपी और एक सेना का जवान भी शामिल है। इसके अलावा सीएमआइ के समीप स्थित नर्सिंग होम में तीन स्वास्थ्य कर्मी पॉजिघटिव आए हैं। पूर्व में यहां एक महिला चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मी पाजीटिव आए थे।

कोरोना के मामले आने के बाद एहतियातन नर्सिंग होम बंद किया गया है। वहीं, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में भर्ती एक कोरोना पॉजिटिव महिला की बुधवार की सुबह मौत हो गई। एम्स प्रशासन के मुताबिक यह महिला उच्च रक्तचाप और थायराइड की समस्या से ग्रसित थी। 19 जुलाई को उसे एम्स में भर्ती किया गया था। जांच के बाद महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। उसे गंभीर हालत में वेंटिलेटर में रखा गया था। 47 वर्षीय यह महिला शिवाजी नगर ऋषिकेश की रहने वाली है। इस संबंध में प्रशासन को सूचित कर दिया गया है।

उत्तराखंड में कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। बल्कि वायरस का प्रसार अब कई गुना बढ़ गया है। स्थिति की गंभीरता को इस बात से ही समझा जा सकता है कि पिछले 12 दिन में कोरोना के डेढ़ हजार से ज्यादा मामले आ चुके हैं। मंगलवार को भी प्रदेश में कोरोना के 210 नए मामले सामने आए हैं। अभी तक प्रदेश में कोराना के 4849 मामले आ चुके हैं। इनमें से 3297 लोग ठीक हो चुके हैं और फिलवक्त 1458 मरीज विभिन्न अस्पतालों व कोविड केयर सेंटरों में भर्ती हैं।

लो आ गई राखीः देहरादून। कोरोना की वजह से इस बार राखी बाजार में बड़ी देर से सजी है। बाजार में रॉखी देख बहनों के चेहरे खिल उठे है। अब बहने अपने भाईयों के लिए अपनी मनपंसद राखी ले सकेंगी।

136 परिवारों को अब इस गांव से नहीं रह गया कोई भी लगाव

संवाददाता

जिप सदस्य जगत मर्तोलिया के सामने आपदाग्रस्त लोगो ने अपनी मांगे रखी

मुनस्यारी। आपदाग्रस्त धापा के 136 परिवारो को अब इस गांव से लगाव भी नहीं रह गया है। एक बच्चे व महिला को काल के ग्रास से बचा ले जाने पर गांव वालो को सुकुन तो है, लेकिन अब वे मुनस्यारी बाजार के निकट पशुपालन की सुरक्षित भूमि में बसाने की मांग कर रहे है। जिप सदस्य जगत मर्तोलिया के सामने आपदाग्रस्त लोगो ने अपनी मांगे रखी, इस दौरान पीड़ितो के आंखो से आंसू भी छलक आए।

16 से लगातार धापा गांव में ऊपर चट्टान हुमती, छैड़ा, पहला, गैलखाली से भू स्खलन हो रहा है। चट्टान दरकने से दिन प्रतिदिन धापा की स्थिति खराब होती जा रही है। धापा के 136 परिवारो ने अपने घर छोड़ दिया है। पंचायत घर, समिति भवन, प्राथमिक विद्यालय आदि भवनो में केवल रात भर सिर छुपाकर सुबह होने का इंतजार कर रहे है। प्रशासन ने 47 परिवारो को अहेतुक सहायता प्रदान किया। धापा का मानचित्र ही इस आपदा ने बदल दिया है। हर घर इस आपदा के दुख दर्द को झेल रहा है। आपदा के छः दिन के बाद भी धापा तक जाने के लिए पैदल रास्ता तक नहीं बन पाया है। बीआरओ की सड़क धापा तक बना हुआ है, जिसे अभी तक पैदल चलने लायक नहीं बनाया जा सका है। 18 जलाई की रात्री को पांच घंटे तक मलवे में गायब हुए पांच साल के बच्चे को अपनी जान में खेलकर ग्रामीणो ने अस्पताल पहुंचा दिया, लेकिन उसकी मां गीता देवी भी घायल है, जो गांव में दर्द से कराह रही है। जिप सदस्य मर्तोलिया को अपने बीच पाकर एक एक कर करके आपदा प्रभावितो ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अब वे खतरे में आ चूके इस गांव में नहीं रहना चाहते है।

मर्तोलिया ने कहा कि राहत, बचाव व विस्थापन के लिए हम पहले सरकार से बात करेंगे ,उसके बाद आंदोलन का रास्ता अपनाकर पीड़ित जनता को न्याय दिलाया जाएगा।

चार किमी की कठिन पैदल यात्रा करने के बाद जान हथेली में रखकर धापा की यात्रा करने वालो में केदार सिंह मर्तोलिया, भुवन सिंह जंगपांगी, राजस्व निरीक्षक राजेन्द्र सिंह सामंत सहित होम गार्ड के जवान साथ में रहे।